Psych

BA I,

Paper II

Abnormal Psy.

Topic – अभियोजन की उपयुक्तता (Adequacy of adjustment) Point of views of abnormality

कुछ लोग वातावरण की जटिलता एवं परिवर्तनशील परिस्थितियों के साथ अनुकूल समंजन स्थापित करने की योग्यता के आधार पर सामान्य और असामान्य व्यक्तियों की पहचान करते हैं इस दृष्टिकोण के अनुसार वातावरण के साथ उपयुक्त अभियोजन स्थापित करने में समर्थ व्यक्ति को सामान्य और जो अभियोजन स्थापित करने में असमर्थ या विफल होते हैं उन्हें असामान्य कहा जाता है।

व्यक्ति जब अपने आप को वातावरण के साथ उपयुक्त ढंग से अभियोजित करने में सफल होता है तब वह सुख और संतोष का अनुभव करता है, अन्यथा उसमें कुंठा और निराशा के भाव पनपते हैं जो मानसिक विजतुलन की स्थिति उत्पन्न करते हैं। फलस्वरूप वह पागल, उदास और बुरा हो जाते हैं।

असामान्यता का यह दृष्टिकोण भी आंशिक रूप से ही सही है अभियोजन एक सापेक्ष शब्द है। अत: अभियोजित और

अनभियोजित व्यक्तियों के बीच स्पष्ट अंतर करना कठिन है कुछ ऐसे भी व्यवहार आते हैं जब व्यक्ति के किसी व्यवहार विशेष को उसकी तात्कालिक आवश्यकताओं के संदर्भ में अभियोजित व्यवहार कहा जा सकता है परन्तु सामाजिक कल्याण के दृष्टिकोण से उनका यह व्यवहार अहितकर होता है इसलिए उसके उस व्यवहार को समाजविरोधी व्यवहार की श्रेणी में रखा जाता है। चोरी करना एक ऐसा व्यवहार है जो चोरी करने वाले व्यक्ति कि की आवश्यकताओं को संतुष्ट करता है परन्तु सामाजिक परिप्रेक्ष्य में उसका यह व्यवहार समाज विरोधी व्यवहार कहलाता है जो असामान्य व्यवहार का एक रूप है।

Kumar Patil
Maharaja College, Ara